>

Title: Need to enquire the construction of flood relief platforms in Hastinapur Vikas Khand in Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार। उत्तर प्रदेश के मेरठ जनपद के हस्तिनापुर विकास खंड में सिंचाई विभाग ड्रेनेज खंड पंचम, मेरठ द्वारा लगभग साढ़े छः करोड़ रुपये की लागत से चौदह बाढ़ राहत चबूतरों का निर्माण किया गया था, जिसे नाबार्ड द्वारा वित्त पोषित किया गया था। बाढ़ आने की स्थिति में प्रभावित गांवों के लोग अपने पशुओं के साथ इन पर शरण ले सके, इस कारण निर्माण के समय इन चबूतरों की ऊंचाई लगभग आठ से दस फीट रखी गयी थी। दिनांक 26.05.11 को जब मैं हस्तिनापुर विकास खंड में मनरेगा के अन्तर्गत हो रहे कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचा, तो वहां के निवासियों ने मुझसे इन बाढ़ राहत चबूतरों का भी निरीक्षण करने का आग्रह किया। उस समय मैंने पाया कि आपात स्थिति में जीवन रक्षा के लिए बनाये गये इन चबूतरों का निर्माण बेहद घटिया स्तर का था, जिसकी चर्चा मैंने स्थानीय प्रशासन से भी की थी। दिनांक 17 अगस्त को बाढ़ आने के बाद, जैसीकि आशंका थी, ग्राम खेड़ीकला का चबूतरा पूरी तरह से जलमग्न हो गया है, जबकि अन्य चबूतरे तीन से चार फीट तक धंस गये हैं। सारे के सारे बाढ़ राहत चबूतरे फटने की स्थिति में हैं। इनमें से एक भी चबूतरा प्रयोग में नहीं आ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के निवासियों की जान-माल को गंभीर खतरा बना हुआ है। 'हिन्दुस्तान' जो प्रतिष्ठित अखबार है, उसमें इसका पूरा विवरण छपा है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ठीक है, आप अपनी मांग रखिये।

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि सम्पूर्ण निर्माण की जांच करायी जाये और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाये, क्योंकि उन्होंने जीवन रक्षा के लिए बनाये गये चबूतरों में घोटाला किया है। इसके साथ-साथ इन बाढ़ राहत चबूतरों का मानकों के अनुरूप निर्माण शीघ्र कराया जाये, ताकि बाढ़ के समय प्रभावित गांवों के नागरिकों की जीवन रक्षा हो सके। बहुत-बहुत धन्यवाद।

सभापति महोदय : मेरे पास काफी सदस्यों के नाम आये हुए हैं। अगर आप सब एक-एक मिनट का समय लेंगे, तो मैं आप सबको बोलने का मौका दे देता हूं।

सभी माननीय सदस्य : ठीक है।

19.00 hrs.